पत्र सूचना कार्यालय (रक्षा विंग),
भारत सरकार

****

'हर काम देश के नाम'

नई दिल्ली, अग्रहायण 26, 1945
रविवार, दिसम्बर 17, 2023

रक्षा मंत्री ने वायु सेना अकादमी, डुंडीगल में संयुक्त स्नातक परेड का अवलोकन किया।

25 महिलाओं सहित 213 फ्लाइट कैडेटों को उनके प्रशिक्षण पूरा होने पर भारतीय वायु सेना की विभिन्न शाखाओं में कमीशन किया गया।

श्री राजनाथ सिंह ने उनसे नए विचारों, अभिनव सोच और आदर्शवाद के प्रति अपने खुलेपन को कभी नहीं खोने का आग्रह किया।

"लगातार विकसित हो रहे समय के साथ तालमेल रखने के लिए परंपरा और नवाचार के बीच संतुलन बनाएं"

भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की फ्लाइंग और ग्राउंड ड्यूटी शाखाओं के 213 फ्लाइट कैडेटों के प्रशिक्षण के सफल समापन को चिह्नित करने के लिए, 17 दिसंबर, 2023 को तेलंगाना में डुंडीगल में वायु सेना अकादमी में एक संयुक्त स्नातक परेड (सीजीपी) आयोजित की गई। परेड का अवलोकन रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने किया, जिन्होंने स्नातक फ्लाइट कैडेटों को राष्ट्रपति आयोग से भी सम्मानित किया। स्नातक अधिकारियों में 25 महिलाएं शामिल थीं, जिन्हें भारतीय वायुसेना की विभिन्न शाखाओं में कमीशन किया गया। भारतीय नौसेना के आठ, भारतीय तटरक्षक बल के नौ और मित्र देशों के दो अधिकारियों को भी उनके उड़ान प्रशिक्षण के पूरा होने के बाद 'विंग्स' से सम्मानित किया गया।

अपने संबोधन में श्री राजनाथ सिंह ने नव कमीशन प्राप्त अधिकारियों को बधाई दी और उनके त्रुटिहीन प्रदर्शन, सटीक ड्रिल मूवमेंट और परेड के उच्च मानकों के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने उनसे आग्रह किया कि वे किसी भी परिस्थिति में नए विचारों, नवीन सोच और आदर्शवाद के प्रति अपना खुलापन न खोएं।

रक्षा मंत्री ने अधिकारियों से सशस्त्र बलों में परंपरा को उचित महत्व देने के लिए प्रोत्साहित किया और इसे समय की कसौटी पर खरा उतरने वाला बताया। लेकिन बताया कि अगर परंपरा का पालन लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किया जाता है, तो सिस्टम में जड़ता की स्थिति पैदा होती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस स्थिति से बचने और लगातार विकसित हो रहे समय के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए नवाचार करने की आवश्यकता है।

श्री राजनाथ सिंह ने परंपरा और नवाचार के बीच संतुलन बनाने का आह्वान करते हुए इसे अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। "अगर हम केवल परंपरा का पालन करते हैं, तो हम एक मृत झील की तरह होंगे। हमें बहती नदी की तरह बनना चाहिए। इसके लिए हमें परंपरा के साथ-साथ नवाचार लाना होगा। उड़ते रहें और अधिक ऊंचाइयों को छूते रहें, लेकिन जमीन के साथ अपना संबंध बनाए रखें।

इससे पहले रक्षा मंत्री का स्वागत वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी ने किया। उन्हें परेड द्वारा जनरल सलामी दी गई और उसके बाद एक प्रभावशाली मार्च पास्ट किया गया। परेड का मुख्य आकर्षण 'कमीशनिंग समारोह' था जिसमें श्री राजनाथ सिंह द्वारा स्नातक फ्लाइट कैडेटों को उनके 'स्ट्राइप्स' से सम्मानित किया गया। इसके बाद अकादमी के कमांडेंट ने स्नातक अधिकारियों को 'शपथ' दिलाई। सीजीपी के बीच में ट्रेनर विमान द्वारा एक समकालिक फ्लाई-पास्ट किया गया, जिसमें चेतक हेलीकॉप्टरों के साथ पिलाटस पीसी -7 एमके द्वितीय, हॉक और किरण शामिल थे।

रक्षा मंत्री ने प्रशिक्षण के विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षुओं को विभिन्न पुरस्कार भी प्रदान किए। फ्लाइंग ब्रांच के फ्लाइंग ऑफिसर अतुल प्रकाश को पायलटों के पाठ्यक्रम में योग्यता के समग्र क्रम में पहले स्थान पर रहने के लिए राष्ट्रपति की पट्टिका और चीफ ऑफ एयर स्टाफ स्वॉर्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। फ्लाइंग ऑफिसर अमरिंदर जीत सिंह को ग्राउंड ड्यूटी शाखाओं के बीच योग्यता के समग्र क्रम में पहले स्थान पर रहने के लिए राष्ट्रपति पट्टिका से सम्मानित किया गया।

परेड का समापन दो स्तंभों में रवींद्रनाथ टैगोर के 'आनंदलोक' के सुरों पर धीमी गति से मार्च करते हुए नए कमीशन अधिकारियों द्वारा हुआ। सुखोई-30 एमकेआई द्वारा एक आकर्षक एयरोबेटिक शो, हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम 'सारंग' और 'सूर्यकिरण' एरोबेटिक टीम द्वारा सिंक्रोनस एयरोबेटिक्स ने सीजीपी के ग्रैंड फिनाले को चिह्नित किया।

एबीबी/एसएस